लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 4312
दिनांक 19.08.2025 को उत्तर दिए जाने के लिए

"शिल्प संकुलों को बढ़ावा देना"

4312. श्री अभिमन्यु सेठीः

क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) सरकार द्वारा देश में शिल्प संकुलों को बढ़ावा देने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं या उठाने का प्रस्ताव है;

(ख) शिल्प संकुलों में कार्यान्वित कार्यक्रमों का राज्य-वार ब्यौरा क्या है; और

(ग) यदि सरकार इन शिल्प संकुलों को आत्मनिर्भर व्यावसायिक संस्थाएँ बनाने के लिए आवश्यक सहायता प्रदान कर रही है, यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण है?

उत्तर
वस्त्र राज्य मंत्री
(श्री पबित्र मार्घेरिटा)

(क)से (ग): विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) का कार्यालय, वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार राष्ट्रीय हस्तशिल्प विकास योजना (एनएचडीपी) के घटक अंबेडकर हस्तशिल्प विकास योजना (एएचवीवाई) के माध्यम से देश में व्यवहार्य शिल्प संकुलों का समर्थन करता है और यह समर्थन उत्पादक कंपनियों के गठन और उन्हें वित्तीय मुख्यधारा में एकीकृत करने हेतु आवश्यकता आधारित इंटरवेंशन जैसे डिजाइन एवं तकनीकी विकास कार्यशाला, टूलकिट के वितरण, प्रदर्शनी, शिल्प प्रदर्शन कार्यक्रम, सेमीनार के माध्यम से किया जाता है। कारीगरों को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से उत्पादक कंपनियां कारीगरों के साथ समन्वय स्थापित करते हुए कार्य कर रही हैं।

शिल्प संकुलों में क्रियान्वित कार्यक्रमों का राज्य-वार ब्यौरा निम्नानुसार हैः

वर्ष	शामिल किए गए राज्यों की संख्या	क्रियान्वित कार्यक्रमों की संख्या
2022-23	12	318
2023-24	21	396
2024-25	23	124
कुल		**838**

****